भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 4735
गुरुवार, 21 अगस्त, 2025/30 श्रावण, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

हिंडन विमानपत्तन से उड़ानें

4735. श्री अतुल गर्ग:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्षेत्रीय विमान सेवाएं शुरू होने के बाद से विगत छह महीनों के दौरान गाजियाबाद के हिंडन विमानपत्तन से विभिन्न शहरों के लिए कुल कितनी उड़ानें संचालित की गई हैं;
(ख) सरकार द्वारा उक्त विमानपत्तन से विमान सेवाएं आरंभ करने में विलंब के कारण उत्पन्न विनियामक अथवा अवसंरचनात्मक चुनौतियों का समाधान करने के लिए क्या विशिष्ट उपाय किए गए हैं;
(ग) क्या सरकार ने हिंडन विमानपत्तन से उत्तर प्रदेश के शहरों के लिए संचालित होने वाली उड़ानों के आर्थिक और पर्यटन संबंधी लाभों का आकलन किया है;
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके परिणामस्वरूप पर्यटकों के आगमन अथवा वाणिज्यिक गतिविधियों में कितनी वृद्धि होने का अनुमान है; और
(ङ) भारतीय वायु सेना के साथ हवाई पट्टी साझा करने की परिचालन संबंधी बाधा को ध्यान में रखते हुए हिंडन विमानपत्तन से उत्तर प्रदेश के शहरों तक अतिरिक्त क्षेत्रीय उड़ानों को समायोजित करने के लिए उड़ान समय-सारणी अथवा अवसंरचना को सुदृढ़ करने की योजनाओं का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क): जनवरी से जून, 2025 के दौरान हिंडन हवाईअड्डे पर विमानों की कुल आवाजाही 2806 है।

(ख) से (ङ): हवाईअड्डों पर अवसंरचना का विस्तार और विकास एक सतत प्रक्रिया है और इसे भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) और अन्य हवाईअड्डा प्रचालकों द्वारा समय-समय पर भूमि की उपलब्धता, वाणिज्यिक व्यवहार्यता, सामाजिक-आर्थिक सरोकारों, यातायात की मांग और ऐसे हवाईअड्डों के लिए/हवाईअड्डों से परिचालन करने हेतु एयरलाइनों की स्वेच्छा के आधार पर किया जाता है। हवाईअड्डा परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है जैसे भूमि अधिग्रहण, अनिवार्य मंजूरियों की उपलब्धता, वित्तीय समापन, आदि।

मार्च 1994 में वायु निगम अधिनियम के निरस्त होने के साथ, भारतीय घरेलू विमानन क्षेत्र को नियंत्रणमुक्त कर दिया गया है। एयरलाइनें अपने बेड़े में किसी भी प्रकार के विमान को शामिल करने और अपनी इच्छानुसार सेवा प्रदान करने और प्रचालन करने हेतु किसी भी नेटवर्क का चयन

करने के लिए स्वतंत्र हैं। अतः किसी हवाईअड्डे के लिए/हवाईअड्डे से विमान सेवाओं को आरंभ या विस्तार करना, हवाईअड्डा प्रचालकों के प्रचालन और वाणिज्यिक व्यवहार्यता पर निर्भर करता है।

******